

<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>
<p>11-1-17</p>	<p>हुकम की प्रमाण है। वकील पक्षकारान उपस्थित आज पीठार्थीन अभिकारी भ्रमण पर है। अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली मय आदेशानुसार दिनांक 16-2-17 को पेश हो।</p>
<p>16-2-17</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील वारी उपस्थित आतहत प्राप्त। पत्रावली का अवलोकन किया गया। अध्यादेश मय वारी नामीले अध्यादेश मय कां 28, 29, 30, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52 वारी नामीले अध्यादेश प्राप्त नहीं है। अध्यादेश का वकील अध्यादेश के विवेक पर प्राप्त हुआ। पर आत है। प्राप्त प्राप्त पत्रों के वकील नवनों का पत्रों की परिचय पत्रों को देवते। उक्त पत्रों को एक गोटा नामीले अध्यादेश अध्यादेश दिया जाता अर्थात् प्रति होता है। अतः अध्यादेश का कां कांदेशा दिनांक 26-5-16 का अध्यादेश किया जाता है। वकील वारी (अध्यादेश) 15 दिनांक के विपरीत गण वारी नवनी पुनः देकर। प्राप्त प्राप्त शुभार होकर दर्ज गमक के कठ है आतहत मिली पुनः दर्ज 2 दिनांक होकर 3-4-17 को पेश गह प्राप्त प्राप्त वारी के कारण है।</p>
<p>3-4-17</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित आज पीठार्थीन अभिकारी भ्रमण पर है। अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली मय आदेशानुसार दिनांक 26-5-17 को पेश हो।</p>

उपस्थित अभिकारी म. म. म.